राजस्थान राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा का विकास

राज्य की पाठ्यचर्या उसकी शैक्षिक प्रणाली को प्रभावित करती है, क्योंकि पाठ्यचर्या निर्धारित करती है कि:

- समाज कैसा हो? ऐसे समाज के निर्माण के लिए बच्चों से क्या अपेक्षाएं हैं?
- यह ज़रूरी क्यों हैं? इन्हें कैसे हासिल किया जाए?

यानी पाठ्यचर्या बच्चा और समाज, दोनों की विज़न निर्धारित करता है। । इसमें महामारी की वास्तविकताएँ, उसका असर और निरंतरता का शिक्षा प्रणाली पर प्रभाव भी शामिल हैं।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन. सी. एफ़. - स्कूली शिक्षा, ई॰सी॰सी॰ई॰, शिक्षक शिक्षा और वयस्क शिक्षा), जो अंतत: सभी राज्यों का मार्गदर्शन करेंगे, वे राज्य द्वारा विकसित राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा (एस॰सी॰एफ़॰) के आधार पर बनाए जाने चाहिए। एस॰सी॰एफ़॰ का निर्माण करते समय राज्य के प्रासंगिक पहलुओं पर ख़ास ध्यान देना सही होगा क्योंकि इस से राष्ट्रीय स्तर पर एन॰सी॰एफ़॰ का विकास करने में मदद मिलेगी।

इस प्रक्रिया में NCERT कुछ template और सामयिक सहयोग देगी, अधिकांश काम RSCERT द्वारा की जाने की उम्मीद है। इस के लिए नीचे दिए चरणों की परिकल्पना की गई है।

पहला चरण [Oct-Dec 2021]

उद्देश्य: 25 फ़ोकस समूह आधार पत्र के विकास के लिए एक सामान्य आधार बनाने के लिए विभिन्न फ़ोकस समूह (FG) के बीच विचार-विमर्श।

स्टेप 1: टीम का निर्माण ताकि वे यह कर सकें,

- प्रबंधन
- संचालन और
- आवश्यक घटकों का विकास
- सर्वे लागू करना और
- डेटा इकट्ठा करना

स्टेप 2: मूलभूत चर्चाएँ जिन में शामिल हैं,

- बच्चे और समाज का विज़न
- बच्चों से संबंधित समलोचनात्मक धारणा, मान्यताएँ व मूल्य, सीखने की प्रक्रिया, शिक्षक की भूमिका, समता के पहलू और शिक्षा के उद्देश्य
- समसामयिक वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए ज्ञान और विषयों के प्रति दृष्टिकोण

संसाधन – एक डिजिटल लाइब्रेरी जिसमें होंगे,

- साहित्य
- प्रिंट, ऑडीओ, विडीओ संसाधन
- और लिंक

इस चरण के साथ यह कार्य होगा,

- लगभग 3000 रेस्पॉडेंट के साथ सर्वेक्षण
- डेटा संग्रह और विश्लेषण
- इस पर आधारित रिपोर्ट बनाना
- पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया के लिए हितधारकों (stakeholder) की पहचान
- हितधारकों के विचार जानने के लिए DIET के साथ बातचीत

दूसरा चरण [Jan-June 2022]

उद्देश्य: फ़ोकस समूह पत्र, सर्वेक्षण के निष्कर्ष और परामर्श के आधार पर चारों SCF का निर्माण।

स्टेप 1: पहले 12-15 फ़ोकस समूह पात्रों पर चर्चा, उसके बाद क्रॉस-कटिंग थीम पर पेपर ताकि सभी दस्तावेज परस्पर संबंधित और सुसंगत रहें।

इन सब से 25 फ़ोकस समूह पत्रों को बनाने में मदद मिलेगी और अंतत: ये NCERT और MoE द्वारा इंगित थीम के सापेक्ष भी बनना आसान रहेगा। इसे तीन चरणों में पूरा किया जाएगा,

- FG पेपर और अब तक की चर्चाओं के आधार पर क्या वांछनीय माना जाए?
- ज़मीनी हक़ीक़त और राज्य के संदर्भ को ध्यान में रख कर व्यावहारिकता के किन मापदंडों को ध्यान में रखा जाए?
- अत: NCERT के दिशानिर्देशों के अनुसार दस्तावेज़ों की समरूपता और उनका सम्पादन कैसे किया जाए?

तीसरा चरण [July-Sept 2022] **उद्देश्य:** SCF को अंतिम रूप देना और उसके कार्यान्वयन की योजना बनाना।
स्टेप 1: NCERT राज्य के output को प्रॉसेस करता है और NCF बनता है। मिले सुझावों के अनुसार राज्य SCF में सुधार, शोधन और अंतिम रूप देता है।
स्टेप 2: SCF के अनूरूप परिणाम पाने के लिए कार्यान्वयन की योजना बनाना शिक्षकों, संस्थानों और संबंधित हितधारकों को अपेक्षाओं को समझकर अपनाने और व्यवहार में लाने के लिए सहयोग देना ताकि राज्य के हर एक बच्चे तक पहुँचा जा सके।